



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान  
ICAR-Indian Institute of Soybean Research  
खंडवा रोड, इन्दौर 452001  
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2023

दिनांक Date: 01.10.2023

YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxxAuSvQ>  
Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-यह दाने भरने की प्रारंभिक अवस्था से 507415769433553>


Twitter: @IisrIcar

Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

**सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers**  
**(25 सितम्बर -1 अक्टूबर 2023 / 25<sup>th</sup> September-1<sup>st</sup> October 2023)**

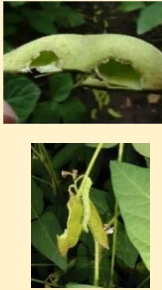


अ. ऐसे क्षेत्र जहा जून माह के अंतिम सप्ताह में बोवनी हुई थी, फसल 90-95 दिन की हो गई हैं, सोयाबीन की शीघ्र पकने वाली किस्में परिपक्व होकर कटाई के लिए लगभग तैयार हैं. अतः सोया कृषकों को निम्न सलाह दी जा रही हैं.

1	सोयाबीन की शीघ्र पकनेवाली किस्मों में 90% फलियों का रंग पिला पड़ने पर फसल की कटाई कर सकते हैं. इससे बीज के अंकुरण में विपरीत प्रभाव नहीं होता. Farmers are advised to harvest early maturing soybean varieties immediately after the 90% pods changes the color to yellow. This will not have adverse effect on the seed germination.	
2	सोयाबीन फसल की कटाई करने से पूर्व कृषकगण कृपया मौसम का पूर्वानुमान देखें एवं कटाई के 4-5 दिन तक बारिश नहीं होने की सम्भावना पर ही कटाई करें अन्यथा कटाई के बाद होने वाली वर्षा से फफूंद लगकर उत्पादन की गुणवत्ता में कमी आ सकती है, Farmers are advised to harvest their soybean crop while ensuring the possibility of no rains after the harvesting. Otherwise, the harvested crop gets affected due to fungal infection.	
3	सोयाबीन की कटी हुयी फसल को धूप में सुखाने के पश्चात गहाई करें. तुरंत गहाई करना संभव नहीं होने की स्थिति में बारिश से बचाने हेतु फसल को सुरक्षित स्थान पर इकठ्ठा करें. The harvested crop must be threshed after sun drying. If the threshing is to be done later, it should be stored at safe place protecting from rains.	
4	आगामी वर्ष बीज के रूप में उपयोगी सोयाबीन की फसल की गहाई 350 से 400 आर.पी.एम. पर करें जिससे बीज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़े. If the produce is to be used for seed purpose in the next season, farmers are advised to thresh the soybean at 350 to 400 RPM thresher to avoid the loss of seed germination.	
5	सोयाबीन फसल परिपक्व होने की स्थिति में बारिश होने वाले क्षेत्रों में तुरंत खेत से अतिरिक्त जल की निकासी की व्यवस्था करें एवं जलभराव की स्थिति से होने वाले नुकसान से फसल को बचाए. In event of continuous rains, farmers are advised to make necessary drainage arrangement in order to maintain the quality of the soybean produce as a result of logging situation	

6	<p>सोयाबीन की फलियों में दाने भरने या परिपक्वता की अवस्था में फसल पर होने वाली लगातार बारिश से सोयाबीन की गुणवत्ता में कमी आ सकती हैं या फलियों के दाने अंकुरित होने की भी सम्भावना हो सकती हैं. अतः सलाह है कि उचित समय पर फसल की कटाई करे जिससे फलियों के चटकने से होने वाले नुकसान या फलियों के अंकुरित होने से बीज की गुणवत्ता में आने वाली कमी से बचा जा सके.</p> <p>Because of continued rain during the maturity stage, the soybean crop is likely to be affected in terms of its quality parameters including viability as well as risk of pre-harvest sprouting in the matured pods. Therefore, farmers are advised to harvest their crop at the right time (Physiological maturity indicating change in pod color). This will also minimize the yield losses due to shattering. However, the crop harvested at physiological maturity must be dried properly to avoid losses due to rotting of grains.</p>	
---	--	---

**ब. ऐसे क्षेत्र जहाँ सोयाबीन की देरी से बोवनी हुई थी (जुलाई माह) या जहाँ मध्यम समयावधि या देरी से पकने वाली किस्में लगाई गई हैं, कीट या रोग नियंत्रण के लिए निम्न उपाय अपनाने की सलाह है.**

7	<p>जहाँ पर फसल 80-90 दिन की हो चुकी है, फलियों में दाना भर गया है, वहाँ कीट/रोग प्रकोप से अधिक नुकसान नहीं होगा. ऐसी अवस्था में कीटनाशक/फफूंदनाशकों का उपयोग लाभदायक नहीं होगा. अतः फसल की अवस्था और कीट/रोग प्रकोप की तीव्रता को संज्ञान में ले कर ही कीट प्रबंधन करें.</p> <p>Wherever the crop is of 80-90-day duration or at grain filling stage, the economic loss due to insect-pest-disease will be minimum. Therefore, farmers are advised to spray of insecticide/fungicides considering the crop stage and the intensity of the disease/insect.</p>	
8	<p>महाराष्ट्र के कुछ जिलों में (यवतमाल, वर्धा, हिंगोली, आदि) पीले मोज़ेक वायरस रोग का प्रकोप देखा गया है. इसके साथ साथ जहाँ भी इस रोग का प्रकोप है, कृषकों को सलाह है कि इसके प्रारंभिक लक्षण दिखते ही तत्काल रोगग्रस्त पौधों को खेत से उखाड़कर निष्कासित करें एवं अपने खेत में विभिन्न स्थानों पर पीला स्टिकी ट्रेप लगाएं. एवं पीले मोज़ेक वायरस रोग को फैलाने वाले वाहक कीट सफ़ेद मक्खी के नियंत्रण हेतु अनुशंसित कीटनाशक एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250ग्रा./हे) का छिड़काव करें. इसके स्थान पर पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम +लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन (125मिली/हे) या बीटासायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड (350 मिली/हे) का भी छिड़काव किया जा सकता है.</p> <p>The YMV disease infection is still seen in certain areas of Maharashtra. Since this is a viral disease, To The farmers are advised to uproot/destroy the affected plant/parts soon after the symptoms of YMV are seen, along with the installation of yellow sticky traps for the control of its vector i.e. White fly. In addition, farmers are also advised to apply the spray of Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) for control of white flies/aphids. Alternatively, you may also use either one of the recommended pre-mixed insecticides like Thiamethoxam + Lambda Cyhalothrin (125 ml/ha) OR Betacyfluthrin + Imidacloprid (350 ml/ha). Farmers are also advised to use yellow sticky traps in order to attract white flies, the vector of YMV.</p>	
9	<p>एन्थ्राकनोस रोग के नियंत्रण हेतु टेबूकोनाजोल 25.9 ई.सी. (625 मिली/हे) या टेबूकोनाजोल 10%+सल्फर 65%WG (1250 ग्राम/हे) का छिड़काव करें. जबकि रायजोक्टोनिया एरियल ब्लाइट, कालर रॉट, पोड ब्लाइट जैसे फफूंदजनित रोगों से फसल को सुरक्षित करने हेतु पिकोक्सीस्ट्रोबिन 22.52% w/wSC (400 मिली/हे) या फ्लुक्सापाग्रोक्साड 167 g/l + पायरोक्लोस्ट्रोबीन 333 g/l SC (300 ग्रा/हे.) या पायरोक्लोस्ट्रोबीन 133 g/l + इपिक्साकोनाजोल 50g/l SE (750 मिली/हे). (बीजोत्पादन कार्यक्रम वाले खेत में भी दाने भरने की अवस्था में इन्हीं फफूंदनाशकों से छिड़काव किया जा सकता है.)</p> <p>In case of infestation of fungal diseases like anthracnose, farmers are advised to apply spray of Tebuconazole 25.9 EC (625 ml/ha) OR Tebuconazole 10%+Sulphur 65% WG (1250 g/ha) whereas for control of fungal diseases like Rhizoctonia Aerial Blight, Collar Rot, Pod Blight etc., spray of Carbendazim+Mancozeb 63%WP (1250 g/ha) OR Picoxystrobin 22.52% w/w SC (400 ml/ha) OR Fluxapyroxad 167 g/l + Pyraclostrobin 333 g/l SC (300 g/ha) OR Pyraclostrobin 133 g/l + Epoxiconazole 50g/l SE (750 ml/ha) is recommended.</p>	

	(Farmers can spray the crop with these recommended fungicides during grain filling stage in case the produce is to be used as seed in the next season).	
10	<p>दाने भरने की अवस्था में फली भेदक चने की इल्ली द्वारा फलियों के अन्दर से दाने खाने की सम्भावना होती हैं. अतः इसके नियंत्रण हेतु निम्न में से किसी एक कीटनाशक का छिड़काव करने की सलाह हैं. इंडोक्साकार्ब 15.8एस.सी (333 मि.ली/हे), या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या नोवाल्युरोन + इंडोक्साकार्ब 04.50 % एस. सी. (825-875 मिली/हे) या इमामेक्टिन बेंजोएट 01.90 (425 मि.ली./हे),</p> <p>For control the attack of Gram Pod Borers during pod filling stage,, farmers are advised to spray any one of the following insecticides: Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha), <b>OR</b> Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) <b>OR</b> Novaluron 05.25 % + Indoxacarb 04.50 % SC (825-875 ml/ha) <b>OR</b> Emamectin benzoate 01.90 % EC (425 ml/ha) This may also help to reduce the damage caused by defoliators who are found eating the flowers.</p>	
11	<p>तम्बाकू की इल्ली के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि फसल पर फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी. (250-300 ग्रा./हे) या स्पायनेटोरम 11.7एस.सी (450 मिली/हे) का छिड़काव करने की सलाह हैं.</p> <p>Certain districts of Madhya Pradesh including Vidisha and Ratlam have seen the incidence of tobacco caterpillar. Farmers are advised to apply the spray of any one of the following insecticides for its control. These are Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) OR Flubendiamide 20 % WG (250-300 ml/ha) OR Spinetoram 11.70 % SC (150 ml/ha).</p>	
12	<p>सेमीलूपर इल्ली के नियंत्रण हेतु सलाह हैं कि आवश्यकता अनुसार फसल पर लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 4.90 सी.एस. 300 मिली/हे. या फ्लूबेंडियामाइड 39.35एस.सी (150मि.ली.) या फ्लूबेंडियामाइड 20डब्ल्यू.जी. (250-300 ग्रा./हे) या एसिटेमीप्रीड 25%+बायफेंथ्रिन 25%WG (250 ग्रा/हे) या क्लोरएन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी (150 मिली/हे) या इंडोक्साकार्ब 15.8ई.सी. (333 मिली/हे) या आइसोसायक्लोसरम 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 मिली/हे) का छिड़काव करें.</p> <p>For control of green semilooper, farmers are advised to apply need based spray of any one of the following insecticide. These are Lambda-cyhalothrin 04.90 % CS (300 ml/ha) OR Flubendiamide 39.35 % w/w SC (150 ml/ha) <b>OR</b> Flubendiamide 20 % WG (250-300 ml/ha) OR Acetamiprid 25% + Bifenthrin 25 % WG (250 g/ha) OR Chlorantraniliprole 18.50 % SC (150 ml/ha) OR Indoxacarb 15.80 % EC (333 ml/ha) OR Isocycloseram 9.2% W/W Dc (10% W/V) DC (600 ml/ha).</p>	

Please follow our social Media

